लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल, राजवंषीनगर, पटना।

वर्ष 2007 से वर्ष 2018 का कार्य ब्यौरा :–

- वर्ष 2007 से 2008 तक चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर आवंटित कार्य का निष्पादन किया गया।
- वर्ष 2008 से 2011 तक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी के पद पर आवंटित कार्य का निष्पादन किया गया।
- वर्ष 2011 से 2018 तक निदेषक एवं वरीय परामर्षी के पद पर प्रषासनिक एवं चिकित्सीय कार्य किया।
- इसके अतिरिक्त वर्ष 2015 से 2018 तक निदेषक प्रमुख पद पर पदस्थापन फलस्वरूप प्रषासनिक कार्य एवं निदेषक के रूप में चिकित्सीय एवं कार्यालय कार्य संपादित किया गया।
- संस्थान में पदस्थापित चिकित्सा पदाधिकारी की संख्या :–

वर्ष 2018 – 24

Director cum-Senior Consultant – 01, Consultant – 03, Resident – 05, Neuro Surgeon – 01 , GDMO – 03, Anesthetics – 05, MO – 05, Pathologist – 01,

वर्ष 2006 में माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिष कुमार जी के द्वारा संस्थान को PHC से LNJP हड्डी विषिष्ट अस्पताल के रूप में चयनित किया गया। तत्पष्चात पूर्व के भवनों एवं उपलब्ध स्थान पर मरीजों हेतु भवन एवं शल्यक्रिया कक्ष को प्रारम्भ किया गया।

- 01 मार्च 2008 में बिहार सरकार द्वारा इसे हड्डी रोग अस्पताल चयनित किया गया एवं लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल को नामित करते हुए उनकी प्रतिमा स्थापित की गयी।
- बिहार सरकार के द्वारा इस अस्पताल को हड्डी रोग का विषिष्ट अस्पताल में शुभारंभ किया गया।
- 2011 में लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल में 172 विभिन्न प्रकार के पद सृजित किया गया। इसके अतिरिक्त पूर्व में 06 बेड के स्थान पर अद्धतन 120 बेड मरीजों हेतु निर्धारित है।
- 20.08.2014 को इसे हड्डी रोग का विषिष्ट अस्पताल घोषित किया गया।
- Signage और बाह्य कक्ष का उद्घाटण 20.08.2014 एवं वृक्षारोपण माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतिष कुमार जी के द्वारा लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल के प्रांगण में किया गया। साथ ही साथ अस्पताल में मरीजों की सुविधा एवं जानकारी के लिए Sign Board लगवाए गए।
- वर्ष 2014 में प्रथम तल्ला का निर्माण किया गया।

- आपातकालिन कक्ष का विस्तारीकरण एवं आधुनिकीकरण (पत्रांक 1130(10) दिनांक 06.12.2017 के द्वारा स्वीकृत एवं पत्रांक 18(10) दिनांक 15.12.2017 के द्वारा राषि आवंटित) किया गया – प्रस्तावित है।
- संस्थान के ट्रॉमा सेन्टर का स्थापना प्रस्तावित है।
- रोगी के परिजनों के लिए G+2 भवन के हॉल का निर्माण प्रस्तावित है।
- शल्य कक्ष का आधुनिकीकरण प्रस्तावित है।
- आपातकालिन भवन से मुख्य भवन में जाने हेतु षेड का निर्माण
- सी0टी0 स्कैन तथा एम0 आर0 आई0 कार्य निदेषानुसार प्रस्तावित है।
- अन्य आवष्यक उपकरणों की अधिप्राप्ति हेतु बिहार चिकित्सा आधारभूत संरचना निगम एवं विभाग को प्रेषित किया जा चुका है।
- Spinal Injury केन्द्र की स्थापना हेतु उपकरणों की आपूर्ति संस्थान को की जाए। इसके लिए विभाग को सूचित किया गया है – प्रस्तावित है।
- लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल में मरीजों के लिए फिजियोथेरेपी व्यवस्था 2008 से शुरू की गई जो अद्धतन जारी है। इसके आधुनिकीकरण का कार्य प्रस्तावित है।
- 25 अप्रैल 2014 को आनलाइन रजिस्ट्रेषन का कार्य लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल में शुरू हुआ।
- लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल में मरीजों के लिए Bone Mineral Density Test (हड्डी का जाँच) 2015 से शुरू की गई जो अद्धतन कार्य कर रही है।
- 2014 में इस संस्थान में प्रथम तल्ला का निर्माण किया गया।
- 2015 में इस संस्थान में ICU का उद्घाटण किया गया।
- जनवरी 2017 में हैण्ड यूनिट सर्जरी शुरू हुआ।
- समय–समय पर इस संस्थान में हड्डी रोग संबंधित सेमिनार का आयोजन किया जाता रहा है, जिसमें दूसरे राज्यों से विषेषज्ञ चिकित्सक सेमिनार में भाग लेने आते रहे है। उनके द्वारा दिए गए हड्डी रोगों से संबंधित इलाज की जानकारी अस्पताल के परिचारिकाओं को मिलती रही है।

IPD	2014 to Aug 2018	2,674
OPD	2007 to Aug 2018	14,37,853
Emergency	2007 to Aug 2018	49,203
Pathology	Jan 2014 to Aug 2018	1,63,952
ICU	June 2014 to Aug 2018	1,561
BMD	2015 to Aug 2018	3,410
ECG	June 2014 to Aug 2018	1,977
Physiotherapy	2008 to Aug 2018	2,74,289
Operation	2007 to Aug 2018	36,821

TKR, THR & SPINE **2015 to Aug 2018**	06 TKR 29 THR (2011-2018) 19 SPINE
(2017 Data) Modular Bipolar **DHS** **Prosthesis**	04 85 48
Hand Surgery **(2016- Aug 2018)**	386
Hip Replacement by CM Relief Fund (Start from Feb 2015)	20

- लोकनायक जयप्रकाष नारायण अस्पताल में 2011 से अबतक कुल 35 Continue Medical Education हुआ है। इस संस्थान में प्रत्येक साल परिचारिकाओं को नयी दवाओं (Research Medicine) की पूरी जानकारी स्लाइड प्रजेन्टेषन के द्वारा दी जाती है।
- अस्पताल परिसर में लोकनायक जयप्रकाष नारायण जी के प्रतिमा का जीर्णोद्वार किया गया।
- संस्थान के फुलवारी के जीर्णोद्वार एवं रख–रखाव अस्पताल स्तर से किया गया है।
- रोगी कल्याण समिति में 10 लाख का आवंटन प्राप्त किया गया एवं मरीजों के हित के लिए विभिन्न कार्य किए गए।
- विभिन्न रिक्त पदों को भरने हेतु प्रस्ताव निदेषक द्वारा विभाग में भेजा जा चुका है। (पत्रांक 79 दिनांक 08.02.2018)
- केन्द्रीय आपातकालिन कक्ष एवं लघु शल्य कक्ष का प्रारम्भ (24 घंटे)।
- डिजिटल एक्सरे प्रारम्भ (लोकसाझेदारी व्यवस्था अन्तर्गत भुगतान के आधार पर)। – कार्य असाधारण है।
- पूर्व में संचालित सामान्य एक्सरे (मुफ्त में) का तत्काल भुगतान लम्बित रहने के कारण तत्काल स्थगित है।

- बाह्य कक्ष में मरीजों के बैठने की व्यवस्था से सम्बन्धित सुविधा उपलब्ध करायी गयी है।
- पीने का पानी की व्यवस्था के निमित एक अदद बोरिंग अधिष्ठापित किया गया है।
- संस्थान परिसर में सौन्द्रीयकरण का कार्य प्रगति पर।
- जिला स्वास्थ्य समिति पटना के सौजन्य से संजिवनी कार्यक्रम अन्तर्गत कम्प्यूटर द्वारा रोगियों का निबंधन पैथोलाजीकल जाँच किया जा रहा है।
- संस्थान में वैकल्पिक चिकित्सा व्यवस्था अन्तर्गत एक्यूप्रेशर होमियोपैथी एवं आर्युवेद चिकित्सा का कार्य प्रारम्भ किया गया। एक्यूप्रेषर तथा यूनानी के असंतोषजनक कार्य के बारे में विभाग को सूचित किया गया है।
- इस संस्थान में मुख्यमंत्री राहत कोष अनुदान के द्वारा हिप रिप्लेसमेंट किया जा रहा है। अबतक 15 हिप रिप्लेसमेंट किया जा चुका है एवं 04 अभी और होना है।

- संस्थान में मरीजों के हित में प्रस्तावित नया सुविधा निम्नवत है :–
  1) ट्रामा सेन्टर की स्थापना।
  2) वर्ष 2018 में ट्रामा सेन्टर हेतु सरकार द्वारा 123 पदों के सृजन की स्वीकृति दी गयी है।
  2) नये आपातकालिन भवन।
  3) नये न्यूरो सुस्सजित शल्य कक्ष का निर्माण।
  4) हड्डी रोग से सम्बन्धित स्टेम सेल पर रिसर्च।